अभ्यास पत्रक

पाठ – स्मृति

नाम :- ..... कक्षा :- ..... अवधि :- ..... अनुक्रमांक :- ..... प्राप्तांक :- .....

अपठित गद्यांश प्रश्न (1 अंक प्रत्येक)

सायंकाल के साढ़े तीन या चार बजे होंगे। कई साथियों के साथ मैं झरबेरी के बेर तोड़-तोड़कर खा रहा था कि गाँव के पास से एक आदमी ने जोर से पुकारा कि तुम्हारे भाई बुला रहे हैं, शीघ्र ही घर लौट जाओ। मैं घर को चलने लगा। साथ में छोटा भाई भी था। भाई साहब की मार का डर था इसलिए सहमा हुआ चला जाता था। डरते-डरते घर में घुसा। आँगन में भाई साहब को पत्र लिखते पाया। हमें देखकर भाई साहब ने कहा-"इन पत्रों को ले जाकर मक्खनपुर डाकखाने में डाल आओ। तेज़ी से जाना, जिससे शाम की डाक में चिठियाँ निकल जाएँ। ये बड़ी जरुरी हैं।"

1. लेखक अपने साथियों के साथ क्या कर रहा था?

उत्तर - .....

.....

2. भाई साहब लेखक को क्यों बुला रहे थे?

उत्तर - .....

.....

3. भाई साहब ने लेखक से क्या कार्य करवाया?

उत्तर - .....

.....

अभिकथन-तर्क प्रश्न और बहुविकल्पीय प्रश्न (1 अंक प्रत्येक) सही विकल्प पर चिन्ह लगायें

4. अभिकथन (A): लेखक ने बेर तोड़ने के कारण डर के मारे चुपचाप घर में प्रवेश किया।
   तर्क (R): लेखक को डर था कि भाई साहब पत्रों के कारण उसे डाँटेंगे।
   (A) अभिकथन और तर्क दोनों सही हैं और तर्क, अभिकथन की सही व्याख्या करता है।
   (B) अभिकथन और तर्क दोनों सही हैं, लेकिन तर्क, अभिकथन की सही व्याख्या नहीं करता।
   (C) अभिकथन सही है, तर्क गलत है।
   (D) अभिकथन गलत है, तर्क सही है।
5. अभिकथन (A): लेखक का भाई पत्रों को समय पर डाक में डालना चाहता था।
   तर्क (R): पत्र बहुत आवश्यक और समय-सीमा वाले थे।
   (A) अभिकथन और तर्क दोनों सही हैं और तर्क, अभिकथन की सही व्याख्या करता है।
   (B) अभिकथन और तर्क दोनों सही हैं, लेकिन तर्क, अभिकथन की सही व्याख्या नहीं करता।
   (C) अभिकथन सही है, तर्क गलत है।
   (D) अभिकथन गलत है, तर्क सही है।
6. पाठ 'स्मृति' के लेखक कौन हैं?
   (A) प्रेमचंद (B) श्रीराम शर्मा (C) महादेवी वर्मा (D) सुभद्राकुमारी चौहान
7. घटना किस समय घटित हुई?
   (A) 1905 (B) 1908 (C) 1915 (D) 1920
8. पत्र लेखक ने कहाँ रखने का निश्चय किया?
   (A) जेब में (B) टोपी में (C) थैले में (D) हाथ में
9. लेखक किस स्थान पर बेर खा रहा था?
   (A) झरबेरी (B) आम के पेड़ (C) मंदिर के पास (D) कुएँ के किनारे
10. लेखक को भाई ने किस काम से भेजा?
    (A) स्कूल (B) बाजार (C) चिट्ठी डालने (D) दवा लाने

लघु उत्तरीय प्रश्न (2 अंक प्रत्येक)

11. पत्रों के गिरने के बाद लेखक की मनोदशा कैसी थी?

उत्तर - .....

.....

.....

12. लेखक ने पत्रों को निकालने के लिए क्या उपाय किया?

उत्तर - .....

.....

.....

13. कुएँ में उतरते समय लेखक ने किन बातों का ध्यान रखा?

उत्तर - .....

.....

.....

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (4 अंक)

14. 'स्मृति' पाठ एक साहसिक बालक की कहानी है। लेखक ने अपनी जिम्मेदारी निभाने के लिए कौन-कौन से साहसी कार्य किए? लगभग 80-100 शब्दों में उत्तर दीजिए।

उत्तर - .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

निबंधात्मक प्रश्न (5 अंक)

15. 'बचपन की एक भूल' विषय पर 100–120 शब्दों में एक निबंध लिखिए।

उत्तर - .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

eGyanArchive

उत्तर कुंजी

1. लेखक झरबेरी के बेर तोड़कर खा रहा था।
2. उन्हें पत्रों को शीघ्र डाक में डालना था।
3. उन्हें पत्रों को मक्खनपुर डाकघर में पहुँचाने को कहा।
4. (C)
5. (A)
6. (B)
7. (B)
8. (B)
9. (A)
10. (C)

लघु उत्तरीय प्रश्न (2 अंक प्रत्येक):

11. पत्रों के गिरने के बाद लेखक की मनोदशा अत्यंत दुखी और परेशान थी। वह डर गया था कि यदि पत्र नहीं मिले तो उसकी बहुत बड़ी भूल हो जाएगी।
12. लेखक ने पत्रों को निकालने के लिए पहले डंडी और छाते की सहायता से प्रयास किया, परंतु असफल होने पर स्वयं कुएँ में उतरने का निश्चय किया।
13. कुएँ में उतरते समय लेखक ने सबसे पहले अपने कपड़े उतारे, फिर सीढ़ियों की सहायता से सावधानीपूर्वक नीचे उतरते समय दीवार का सहारा लिया और जल में पत्रों को पकड़ने का प्रयास किया।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (4 अंक):

14. 'स्मृति' पाठ में लेखक एक साहसी और जिम्मेदार बालक के रूप में उभरकर सामने आता है। जब पत्र कुएँ में गिर गए, तो पहले तो वह घबरा गया, लेकिन उसने हार नहीं मानी। पहले उसने छाते और डंडी से पत्र निकालने का प्रयास किया, फिर साहस करके स्वयं कुएँ में उतर गया। उसने न केवल अपनी भूल को स्वीकार किया, बल्कि अपनी जिम्मेदारी निभाने के लिए खतरा भी उठाया। उसका यह साहसी कार्य प्रशंसनीय है।

निबंधात्मक प्रश्न (5 अंक):

15. **बचपन की एक भूल**

बचपन का समय शरारतों और भूलों से भरा होता है। मैं जब छोटा था, तब एक दिन खेलते-खेलते मैंने अपनी माँ की अलमारी से कुछ पैसे निकाल लिए। उस समय मुझे यह नहीं पता था कि यह चोरी है। मैं उन पैसों से मिठाई और खिलौने खरीद लाया। जब माँ को यह बात पता चली, तो उन्होंने मुझसे बहुत प्यार से समझाया कि यह एक गलत काम है। उस दिन के बाद मैंने कभी कोई गलत काम नहीं किया। वह मेरी सबसे बड़ी और यादगार भूल थी, जिससे मैंने ईमानदारी और जिम्मेदारी का पाठ सीखा।